संपादकीय

हमारे लिए भी गौरतलब

फ्रांस में ज्यादातर बिजली उत्पादक कंपनियां सार्वजनिक क्षेत्र में हैं। फ्रांस सरकार सरकार इन कंपनियों को रियायती दर पर ऊर्जा बेचने का निर्देश दे सकती है। तो फिलहाल ये कंपनियां लागत मूल्य से एक चौथाई कम पर ऊर्जा की सप्लाई कर रही हैं।

यह एक ऐसा फर्क है, जिस पर हम सबको ध्यान देना चाहिए। यह एक नीतिगत अंतर है, जिसके परिणाम ने अब ध्यान खींचा है। यह तो यह जग-जाहिर है कि ब्रिटेन के लोगों को ऊर्जा की अत्यधिक महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। अगली सर्दियों में वहां प्राकृतिक गैस और बिजली का औसत बिल 4000 पाउंड से ऊपर जा सकता है। यानी 12 महीने पहले ब्रिटेन के लोग गैस और बिजली के लिए जो कीमत चुका रहे थे, उससे तीन गुना ज्यादा कीमत उन्हें चुकानी होगी। लेकिन ब्रिटेन के पड़ोसी देश फ्रांस में ऐसी हालत नहीं है। ध्यान देने की बात यह है कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से दोनों देशों में रूसी गैस की सप्लाई घटी है। मगर फ्रांस में परिवारों के औसत ऊर्जा बिल में पांच प्रतिशत से भी कम बढ़ोतरी हुई है। जबकि ब्रिटेन में सबसे गरीब घरों के बिल में भी- जिन्हें सरकारी सहायता मिलती है- सर्दियों में 15 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी हो जाएगी। तो जाहिर है, यह अंतर चर्चा का विषय बना है। कुछ रोज पहले इस बारे में एक अध्ययन रिपोर्ट आई। उससे पता चला कि आखिर ये फर्क क्यों है। स्पष्ट हुआ कि अंतर का कारण दोनों देशों में मार्केट रेगुलेशन की नीतियां हैं।

ब्रिटेन की नीति ऊर्जा कंपनियों के हक में है। वहां कंपनियों को छूट है कि ऊर्जा प्राप्त करने की दर बढ़े तो वे अपने मुनाफे को अप्रभावित रखते हुए दाम बढ़ाएं। मगर फ्रांस सरकार ने कीमत तय करने में अपनी भूमिका बनाए रखी है। फ्रांस में बाजार अर्थव्यवस्था है। लेकिन वहां ज्यादातर बिजली उत्पादक कंपनियां सार्वजनिक क्षेत्र में हैं। फ्रांस में ऊर्जा उत्पादक कंपनियां बिजली की बिक्री वितरण कंपनियों को करती हैं। लेकिन फ्रांस सरकार सरकार पब्लिक सेक्टर की ऊर्जा उत्पादक कंपनियों को रियायती दर पर ऊर्जा बेचने का निर्देश दे सकती है। तो फिलहाल ये कंपनियां लागत मूल्य से एक चौथाई कम पर ऊर्जा की सप्लाई वितरण कंपनियों को कर रही हैं। इस वजह से फ्रांस के लोगों राहत मिली हुई है। अब यह सबके लिए विचारणीय है कि इनमें से कौन-सा मॉडल जनता के हित है?

एशिया कप 2022 से पहले सामने आए भारत-पाक के बीच हुए 'वो' मुकाबले

नई दिल्ली । एशिया कप 2022 की शुरुआत में अब बस चंद दिन ही बाकी रह गए हैं। ऐसे में क्रिकेट लवर्स आंखें गड़ाए मैच शुरू होने की ताक में बैठे हैं। संयुक्त अरब अमीरात में इस महीने की 27 तारीख से शुरू हो रहे मेगा टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक बार फिर आमने-सामने होने वाली हैं। हर क्रिकेट प्रेमी को इन दोनों टीमों के बीच मैच देखना भाता है। एशिया कप 2022 में टीम इंडिया और पाकिस्तान का मुकाबला 28 अगस्त को होगा, जिसे लेकर क्रिकेट के प्रति जुनून रखने वाले लोग काफी उत्सुक हैं।

इस जुनून की कसमकस के बीच जसकरण सिंह को भारत-पाकिस्तान के पुराने मुकाबलों की याद आ गई है, जिसे उन्होंने देश के अपने पहले बहुभाषी माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म, कू ऐप के माध्यम से साझा किया है। हम एशिया कप 2022 में इन लड़ाइयों को मिस करेंगे।

बताते चलें कि सन् 1984 से एशिया कप का आयोजन किया जा रहा है। तब से लेकर अब तक 15वीं बार भारत और पाकिस्तान का मैच होने जा रहा है। इसमें से आठ मैच टीम इंडिया ने जीते हैं और पाँच मैच पाकिस्तान ने जीते हैं, जिसमें से एक मैच बिना किसी नतीजे के खत्म हो गया था।

भारत पाकिस्तान के पुराने मैच की तरफ भी एक बार नजर दौड़ा लेते हैं:

वर्ष 2018 का दिलचस्प मैच- एशिया कप 2018 में भारत-पाकिस्तान के बीच का मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में हुआ था। टीम इंडिया की कप्तानी रोहित शर्मा और पाकिस्तान की कप्तानी सरफराज अहमद ने की थी। मैच में पाकिस्तान की टीम 43.1 ओवर में केवल 162 रन ही बना सकी और ऑल आउट हो गई। टीम इंडिया ने इस टारगेट को 29 ओवर में केवल दो विकेट खोकर ही हासिल कर लिया। मैच में भारत की ओर से भुवनेश्वर कुमार ने तीन और केदार जाधव ने तीन विकेट चटकाए थे। इसी के साथ भुवनेश्वर कुमार ने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार अपने नाम कर लिया था। भारतीय टीम ने इस मैच को बड़ी आसानी से आठ विकेट से जीत लिया था।

वर्ष 2016 के मैच को भी भुलाया नहीं जा सकता है- एशिया कप 2016 में भी भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने थीं। यह मैच बांग्लादेश के मीरपुर में खेला गया था। इस मैच में टीम इंडिया की कमान एमएस धोनी के हाथों में थी, वहीं पाकिस्तान की कप्तानी शाहिद अफरीदी ने की थी। इस मैच में भी पाकिस्तान की पूरी टीम केवल 83 रन ही बना सकी थी। इंडिया टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे जीरो पर आउट हो गए थे। लेकिन विराट कोहली ने कमान संभाल ली और 51 गेंदों पर 49 की पारी खेली। साथ ही साथ युवराज सिंह ने भी 14 रनों का योगदान दिया। भारतीय टीम ने इस लक्ष्य को 15.3 ओवर में केवल पाँच विकेट खोकर ही हासिल कर लिया था और मैच को पाँच विकेट से अपने नाम कर लिया था।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने नेट्स सेशन में दिखाया आक्रामक अंदाज

नई दिल्ली । एशिया कप 2022 की तैयारियों के लिए टीम इंडिया ने अपने पहले प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया। इस दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली ने जमकर पसीना बहाया। दोनों ही स्टार खिलाड़ी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए दिखाई दिए। बता दें, खराब फॉर्म से गुजर रहे विराट कोहली ने आईपीएल 2022 के बाद सिर्फ इंग्लैंड दौरे पर मैच खेले हैं। इसके बाद उन्होंने वेस्टइंडीज दौरे के लिए आराम मांगा था और वह जिम्बाब्वे टूर पर भी टीम इंडिया का हिस्सा नहीं थे।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पहले नेट सेशन में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ स्पिनर्स की तिकड़ी युजवेंद्र चहल, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन का सामना किया। कोहली स्पिनर्स की गेंदों पर कदमों का इस्तेमाल कर बड़े-बड़े शॉट खेलते हुए नजर आए, वहीं अर्शदीप की गेंदों पर उन्होंने अपना क्लास दिखाया। वहीं जब कोहली के बाद रोहित बैटिंग करने उतरे तो शुरुआत में उन्होंने कुछ गेंदों को आराम से खेला, मगर उसके बाद वह भी आक्रामक रूप में शॉट्स खेलते हुए दिखाई दिए।

एशिया कप 2022 में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ 28 अगस्त को करेगी। टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद यह दोनों टीमें पहली बार आमने सामने होगी। आखिरी बार भारत-पाक की भिड़ंत में बाबर आजम की टीम ने 10 विकेट से जीत दर्ज की थी। इस बार टीम इंडिया की नजरें हिसाब चुकता करने पर होगी।

टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद भारत ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 24 मुकाबले खेले हैं जिसमें 19 बार टीम जीत दर्ज करने में कामयाब रही है। रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ की अगुवाई में टीम नए अवतार में खेलती हुई दिखती है।

बीसीसीआई का आधिकारिक ऐलान, वीवीएस लक्ष्मन बने टीम इंडिया के अंतरिम कोच

मुंबई । भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज़ और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण राहुल द्रविड़ की अनुपस्थिति में एशिया कप 2022 के लिये भारत के अंतरिम मुख्य कोच होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने यह जानकारी दी। भारतीय टीम के स्थायी कोच राहुल द्रविड़ का किया गया कोरोना परिक्षण पॉजिटिव आया था, जिसके बाद वह टीम के साथ एशिया कप के लिये संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) रवाना नहीं हो सके।

जय शाह ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ज़िम्बाब्वे में हुई एकदिवसीय शृंखला में भारतीय टीम के साथ सफर करने वाले लक्ष्मण द्रविड़ की अनुपस्थिति में टीम का कार्यभार संभालेंगे। द्रविड़ एक बार कोरोना मुक्त होने और बीसीसीआई मेडिकल टीम द्वारा मंजूरी मिलने के बाद टीम में शामिल हो जाएंगे। लक्ष्मण हरारे से यात्रा करके उप-कप्तान केएल राहुल, दीपक हुड्डा और आवेश खान सहित दुबई में टीम के साथ जुड़ चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने किया 15 खिलाड़ियों की टीम का ऐलान, इन धाकड़ गेंदबाज की हुई वापसी

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैच की वनडे सीरीज के लिए 15 खिलाडिय़ों की टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में मैट हेनरी की वापसी हुई है। हेनरी पसली की चोट के चलते वेस्टइंडीज दौरे से बाहर हुए थे। वेस्टइंडीज को न्यूजीलैंड ने कैरेबियन धरती पर पहली बार वनडे सीरीज में 2-1 से मात दी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यूजीलैंड पहला मुकाबला 6 सितंबर को केन्र्सो के काज़ली स्टेडियम में खेलेगी। सीरीज के अन्य दो मुकाबले इसी मैदान पर 8 और 11 सितंबर को खेले जाएंगे। चैपल-हैडली ट्रॉफी के लिए 15 खिलाडिय़ों की इस टीम में ईश सोढ़ी को छोडक़र बाकी खिलाड़ी वही हैं जो वेस्टइंडीज दौरे पर गए थे। मैट हेनरी के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम से जुड़े बेन सियर्स के साथ ग्लेन फिलिप्स ने भी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी जगह बनाई है। इस वजह से हेनरी निकोल्स और विल यंग को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं काइल जैमीसन और एडम मिल्ने चोट के चलते बाहर हैं। इस टीम की अगुवाई केन विलियमसन ही करते हुए दिखाई देंगे जो चोट के चलते वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी दो वनडे नहीं खेल पाए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच को लेकर विलियमसन ने कहा ऑस्ट्रेलिया के साथ हमारी बड़ी प्रतिद्वंद्विता है; यह हमेशा प्रशंसकों के लिए एक बहुत बड़ा अवसर होता है, और टीम वास्तव में इसके लिए तत्पर रहती है। आप चैपल-हैडली ट्रॉफी सीरीज देखकर बड़े हुए हैं और महान लड़ाइयों को याद कर रहे हैं, इसलिए एक और अध्याय का हिस्सा बनना बहुत खास है।

बदलते विश्व में घरेलू खनिज क्षेत्र को मजबूत बनाने के नए उपाय तलाशने पर जोर

नई दिल्ली। राजधानी में खनिज और खनन क्षेत्र पर दो दिवसीय औद्योगिक सम्मेलन क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ समाप्त हुआ।

केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने समापन सत्र में इस क्षेत्र के सभी प्रतिभागियों को अपने खनिजों और खनन क्षेत्रों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के तरीकों और साधनों का पता लगाने के साथ-साथ उनके विकास की गति बढ़ाने पर जोर देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उनके सहयोग से ही भारत में खनन से मिलने वाले खनिजों और अन्य कीमती धातुओं का निर्यात बढ़ाया जा सकेगा।

सम्मेलन में इस उद्योग के विशेषज्ञों, औद्योगिक इकाइयों के प्रमुखों, नीति-निर्माताओं, हितधारकों और अन्य प्रतिनिधियों ने इस क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों, चुनौतियों और अवसरों पर विस्तार से चर्चा की। सम्मेलन में संकल्प लिया गया है कि खनिज और खनन क्षेत्र से संबंधित उद्योग के हितधारक इस क्षेत्र के विकस के लिए एक साझी दृष्टि विकसित करें।

खनन क्षेत्र के सरकारी उपक्रम एनएमडीसी और उद्योगमंडल फिक्की द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सम्मेलन के समापन सत्र में इस्पात मंत्रालय के सचिव संजय सिंह ने कहा कि भारत में 2030 तथा 2047 तक इस्पात उत्पादन क्षमता क्रमश: 30 करोड़ टन और 50 करोड़ टन तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इस्पात सचिव श्री सिंह ने कहा, इसका मतलब यह होगा कि अनुमानित लौह अयस्क के भंडार को संसाधनों में बदलना होगा क्योंकि तभी ये भंडार देश के नीति निर्माताओं द्वारा तय लक्ष्यों को को प्राप्त करने के लिए आदर्श होंगे।

नीति आयोग के सलाहकार कुंदन कुमार ने कहा कि भारतीय खानों और खनिज क्षेत्र के विकास और विस्तार और विविधीकरण के लिए नीतियां तैयार की जा रही हैं और कई को लागू भी किया जा चुका है।

सरकार पीएसयू जनरल इंश्योरेंस यूनियनों में करेगी उलटफेर, प्रदर्शन पर आधारित होगा वेतन

चेन्नई । सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य और पुनर्बीमा कंपनियों में यूनियनों के बीच वेतन संशोधन पर बातचीत के साथ, जनरल इंश्योर्स (पब्लिक सेक्टर) एसोसिएशन ऑफ इंडिया (जीआईपीएसए) ने एक गुगली फेंकी है। यूनियनों को लिखे एक पत्र में, जीआईपीएसए-चार सार्वजनिक क्षेत्र के सामान्य बीमाकर्ताओं के लिए लॉबी निकाय ने कहा, वेतन संशोधन पीएसजीआईसी (सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनी) और कंपनी के भीतर प्रत्येक व्यक्ति के प्रदर्शन पर आधारित होगा।

चार सामान्य बीमाकर्ताओं- द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के लिए वेतन संशोधन एक समान है। जीआईपीएसए ने कहा, प्रत्येक कर्मचारी के वेतन संशोधन को संगठन के प्रदर्शन और उसके स्वयं के प्रदर्शन से जोड़ा जाना चाहिए।

जीआईपीएसए के अनुसार, वेतन संशोधन का प्राथमिक हिस्सा परिवर्तनशील (प्रदर्शन आधारित) होगा। हालांकि, वेतन का एक छोटा निश्चित भाग प्रत्येक मूल्यांकन और वेतन संशोधन चक्र के दौरान जीवनयापन समायोजन की लागत के लिए होगा। जीआईपीएसए ने चार सामान्य बीमा कंपनियों और सामान्य बीमा निगम (जीआईसी रे) में यूनियनों को सूचित किया है कि उपरोक्त कंपनियों के प्रमुखों, महाप्रबंधकों के साथ एक बैठक 27 अगस्त की सुबह फरीदाबाद में बुलाई गई है। जीआईपीएसए के वित्तीय सेवा विभाग के संयुक्त सचिव सौरभ मिश्रा बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

मौका मिला तो साउथ फिल्मों में भी काम करना चाहुंगी: स्मृति श्रीकांत

दिल्ली की रहने वाली अदाकारा स्मृति श्रीकांत ने हाल ही में अपना धमाकेदार बॉलीवुड डेब्यू किया है। स्मृति श्रीकांत हालिया रिलीज हुई अक्षय कुमार स्टारर फिल्म रक्षाबंधन में एक अहम किरदार में नजर आई हैं। अदाकारा ने इस फिल्म में अक्षय कुमार की बहन लक्ष्मी का किरदार निभाया है। जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। इस फिल्म में अक्षय कुमार की सांवली बहन लक्ष्मी का किरदार निभाकर सफल बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अदाकारा स्मृति श्रीकांत ने बताया कि उन्हें कैसे निर्देशक आनंद एल रॉय के प्रोडक्शन बैनर तले बनी इस फिल्म का ऑफर मिला और फिल्म की शूटिंग के दौरान अक्षय कुमार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा?

मूल रूप में चेन्नई से ताल्लुक रखने वाली स्मृति श्रीकांत ने खुलासा किया कि अगर उन्हें मौका मिला तो वो साउथ सिनेमा इंडस्ट्री में भी काम करना चाहेंगी। यही नहीं, अदाकारा ने बताया कि वो साउथ के किन हीरो के साथ काम करने के लिए एक्साइटेड हैं। अक्षय कुमार के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा ये एक सपने के सच होने के जैसा था। मेरी पहली फिल्म अक्षय कुमार के साथ हुई। जब मुझे इस फिल्म का ऑफर मिला था तब मुझे इस बारे में नहीं बताया गया था। पहले मैने इस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया। इसके बाद काफी दिन बाद मुझे प्रोडक्शन कंपनी से कंफर्मेशन का कॉल आया था।

कार्तिकेय 2 ने बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड फिल्मों को दी मात

पिछले काफी समय से बॉलीवुड फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होती जा रही हैं. वहीं साउथ फिल्में लगातार थिएटर पर अच्छी कमाई कर रही हैं. हाल ही में छोटे बजट की फिल्म कार्तिकेय 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. फिल्म रिलीज को दो हफ्ते हो चुके हैं वहीं फिल्म की कमाई लगातार बढ़ रही है. आइए जानते हैं फिल्म ने अब तक कितनी कमाई की है.

कार्तिकेय 2 को बॉक्स ऑफिस पर काफी पसंद किया जा रहा है. फिल्म ने आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा और अक्षय कुमार की फिल्म रक्षा बंधन को कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है. निखिल सिद्धार्थ की इस फिल्म ने अब तक कंगना से लेकर राज कुमार राव जैसे बड़े स्टार्स की फिल्म को धूल चटा दी है.

आज का राशिफल

मेष : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं।

वृष : शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ सकता है, कर्ज लेना पड़ सकता है। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

मिथुन : यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। आशंका-कुशंका रहेगी।

कर्क : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। व्यापार – व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह : व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें।

कन्या : वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा।

तुला : उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। फालतू खर्च होगा।

वृश्चिक : फालतू बातों पर ध्यान न दें। मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी।

धनु : स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे।

मकर : पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार – व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी।

मीन : व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

बनाएं हलवाई जैसे स्वादिष्ट और खस्ता 'बालूशाही'

सामग्री :

आटे के लिए- मैदा- 3 कप, नमक- 1/4 टीस्पून, बेकिंग सोडा- 1/2 टीस्पून, बेकिंग पाउडर- 1/4 टीस्पून, घी- 1/4 कप, प्लेन दही- 1/4 कप, ठंडा पानी- आवश्यकतानुसार, घी- फ्राई करने के लिए

चाशनी के लिए- चीनी- 2 कप, पानी- 1 कप, इलायची पाउडर- 1/2 टीस्पून, केसर- कुछ धागे

विधि :

एक बड़े बाउल में मैदा, नमक, बेकिंग सोडा, बेकिंग पाउडर डालें। घी का मोयन लगाएं और सभी चीज़ों को पहले सूखे हाथों में मिक्स कर लें। इसके बाद इसमें दही मिलाएं। दही को भी पहले मैदे में अच्छी तरह एब्जॉर्ब करने के लिए सूखे हाथों से मलें। अब इसमें ठंडा पानी डालते हुए सॉफ्ट आटा गूंथ लें। आटे को ढककर कम से कम 30 मिनट के लिए छोड़ दें। 30 मिनट बाद इसकी छोटी-छोटी लोइयां बनाएं। लोइयों को बीच में अंगूठे से दबाते हुए हल्का गड्ढा कर लें। लोइयों को बनाकर इसे कॉटन को हल्के गीले कपड़े से ढककर रख दें। अब कड़ाही में घी गरम करें। घी या तेल थोड़ा ज्यादा मात्रा में ही रखें वरना बालूशाही अच्छी तरह से फ्राई नहीं होंगे। इसके बाद दोनों साइड से बालूशाही को हल्का सुनहरा होने तक फ्राई कर लें। प्लेट में निकालते जाएं। जब तक बालूशाही फ्राई हो रहे हैं तब तक चाशनी बनने के लिए रख दें। इसके लिए एक गहरे पैन में चीनी, पानी, इलायची पाउडर और केसर के धागे डालकर मीडियम आंच पर 10-12 मिनट के लिए रख दें। चाशनी को बीच-बीच में चलाते रहें और एक तार की चाशनी जब तक न बने तब तक इसे पकाना है। चाशनी तैयार हो जाए तो इसे हल्का ठंडा होने दें। अब प्लेट से एक-एक करके बालूशाही इसमें डालते जाएं और चम्मच की मदद से उन्हें थोड़ा दबाएं जिससे चाशनी अच्छी तरह बालूशाही को कवर कर लें। ये काम थोड़ा जल्दी करना पड़ेगा वरना चाशनी गाढ़ी हो जाती है। अब प्लेट में बालूशाही निकालें, ऊपर से इच्छानुसार कटे हुए मेवे और सिल्वर वर्क सजाएं और सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 174

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

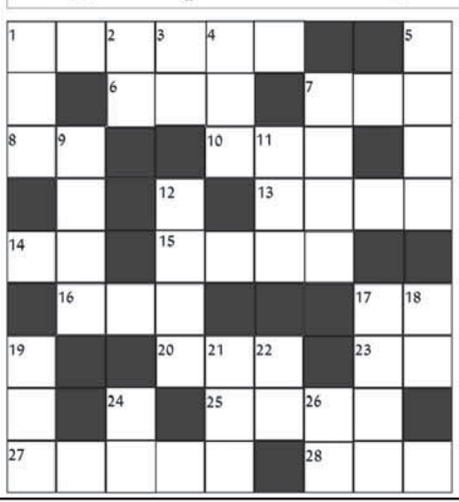

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 173 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सू-दोकू- 174

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.173 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5	4	6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6